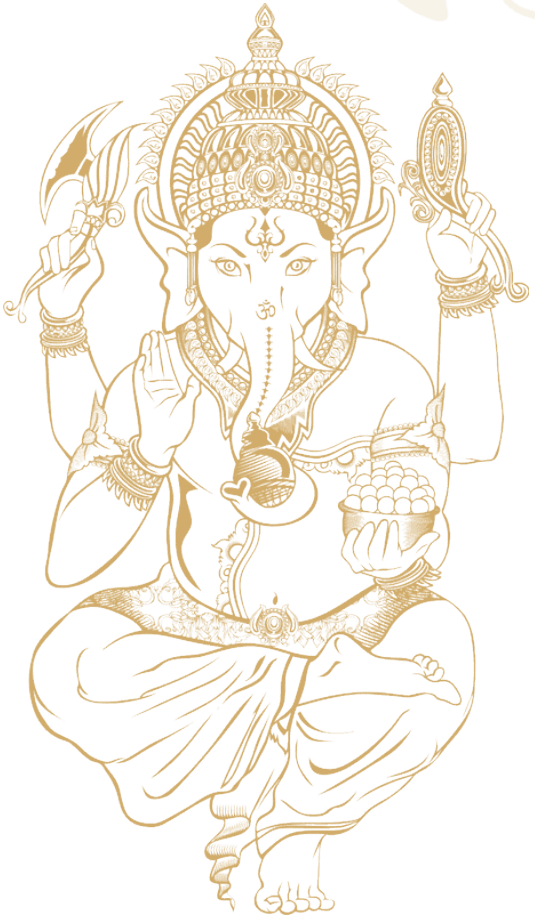

Vinod Kumar Sharma

08 Dec 2007

09:45 AM

Jammu

Model: web-freekundliweb

Order No: 121572202

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**08/12/2007**
दिन	शनिवार
जन्म समय	**09:45:00 घंटे**
इष्ट	06:02:12 घटी
स्थान	**Jammu**
राज्य	Jammu and Kashmi
देश	India

अक्षांश	32:42:00 उत्तर
रेखांश	74:52:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:30:32 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	09:14:28 घंटे
वेलान्तर	00:08:20 घंटे
साम्पातिक काल	14:20:40 घंटे
सूर्योदय	07:20:07 घंटे
सूर्यास्त	17:24:23 घंटे
दिनमान	10:04:17 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	21:42:29 वृश्चिक
लग्न के अंश	24:30:01 धनु

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	धनु - गुरु
राशि-स्वामी	**वृश्चिक - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**अनुराधा - 1**
नक्षत्र स्वामी	शनि
योग	सुकर्मा
करण	शकुनि
गण	देव
योनि	मृग
नाड़ी	मध्य
वर्ण	विप्र
वश्य	कीटक
वर्ग	सर्प
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	ना-नवीन
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	धनु

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			धनु	24:30:01	374:54:21	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	बुध	---
सूर्य			वृश्चि	21:42:29	01:00:57	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	सूर्य	मित्र राशि
चंद्र			वृश्चि	04:34:14	11:56:03	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	शनि	नीच राशि
मंगल	व		मिथु	14:48:36	00:18:42	आर्द्रा	3	6	बुध	राहु	केतु	शत्रु राशि
बुध		अ	वृश्चि	16:28:12	01:34:00	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	गुरु	सम राशि
गुरु			धनु	03:35:58	00:13:35	मूल	2	19	गुरु	केतु	सूर्य	मूलत्रिकोण
शुक्र			तुला	09:05:28	01:10:24	स्वाति	1	15	शुक्र	राहु	गुरु	मूलत्रिकोण
शनि			सिंह	14:28:35	00:01:16	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि
राहु	व		कुंभ	07:04:23	00:14:04	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	राहु	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	07:04:23	00:14:04	मघा	3	10	सूर्य	केतु	राहु	शत्रु राशि
हर्ष			कुंभ	20:53:04	00:00:42	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	गुरु	---
नेप			मक	25:40:09	00:01:14	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	राहु	---
प्लूटो			धनु	04:17:36	00:02:10	मूल	2	19	गुरु	केतु	चंद्र	---
दशम भाव			तुला	13:33:09	--	स्वाति	--	15	शुक्र	राहु	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:58:11

लग्न-चलित

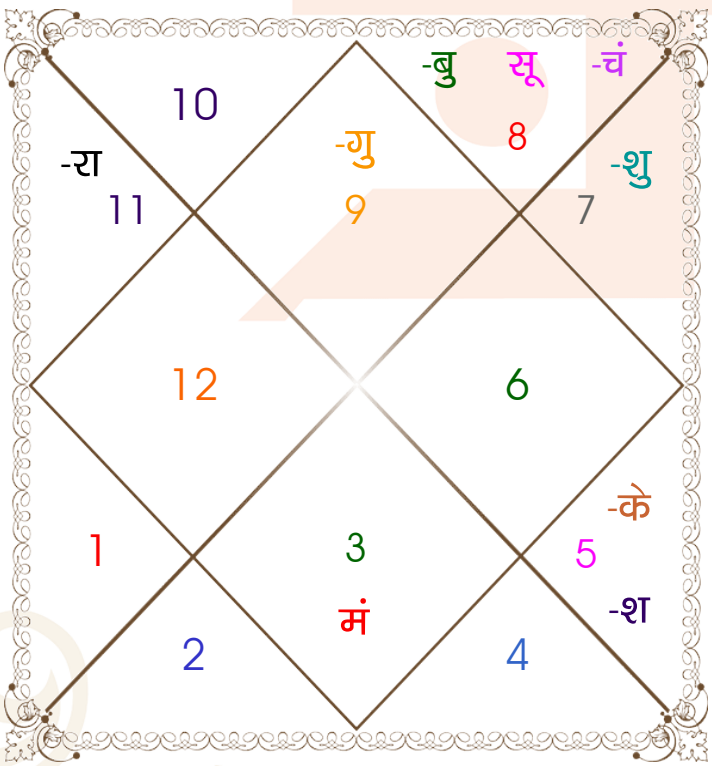

चन्द्र कुंडली

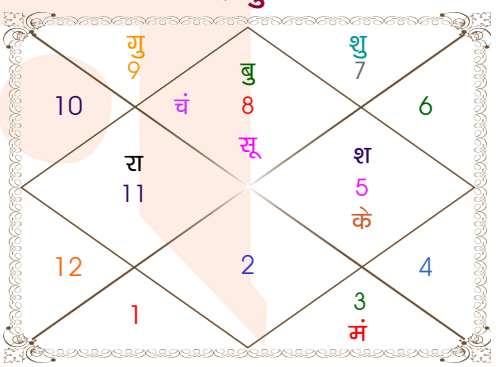

नवमांश कुंडली

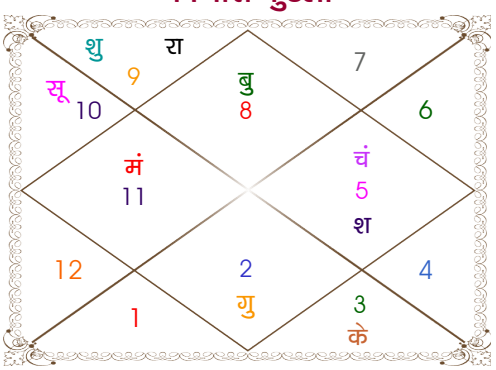

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शनि 17 वर्ष 2 मास 25 दिन

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
08/12/2007		04/03/2025		04/03/2042		04/03/2049		04/03/2069	
04/03/2025		04/03/2042		04/03/2049		04/03/2069		04/03/2075	
शनि	07/03/2009	बुध	31/07/2027	केतु	31/07/2042	शुक्र	03/07/2052	सूर्य	21/06/2069
बुध	15/11/2011	केतु	28/07/2028	शुक्र	30/09/2043	सूर्य	03/07/2053	चंद्र	21/12/2069
केतु	24/12/2012	शुक्र	28/05/2031	सूर्य	05/02/2044	चंद्र	04/03/2055	मंगल	28/04/2070
शुक्र	23/02/2016	सूर्य	03/04/2032	चंद्र	05/09/2044	मंगल	03/05/2056	राहु	22/03/2071
सूर्य	04/02/2017	चंद्र	02/09/2033	मंगल	01/02/2045	राहु	04/05/2059	गुरु	09/01/2072
चंद्र	06/09/2018	मंगल	31/08/2034	राहु	20/02/2046	गुरु	02/01/2062	शनि	21/12/2072
मंगल	15/10/2019	राहु	19/03/2037	गुरु	27/01/2047	शनि	04/03/2065	बुध	27/10/2073
राहु	21/08/2022	गुरु	25/06/2039	शनि	06/03/2048	बुध	03/01/2068	केतु	04/03/2074
गुरु	04/03/2025	शनि	04/03/2042	बुध	04/03/2049	केतु	04/03/2069	शुक्र	04/03/2075

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
04/03/2075		04/03/2085		03/03/2092		05/03/2110		05/03/2126	
04/03/2085		03/03/2092		05/03/2110		05/03/2126		00/00/0000	
चंद्र	03/01/2076	मंगल	31/07/2085	राहु	15/11/2094	गुरु	22/04/2112	शनि	09/12/2127
मंगल	03/08/2076	राहु	18/08/2086	गुरु	09/04/2097	शनि	03/11/2114		00/00/0000
राहु	01/02/2078	गुरु	25/07/2087	शनि	14/02/2100	बुध	08/02/2117		00/00/0000
गुरु	03/06/2079	शनि	02/09/2088	बुध	04/09/2102	केतु	15/01/2118		00/00/0000
शनि	02/01/2081	बुध	30/08/2089	केतु	22/09/2103	शुक्र	15/09/2120		00/00/0000
बुध	03/06/2082	केतु	26/01/2090	शुक्र	22/09/2106	सूर्य	04/07/2121		00/00/0000
केतु	02/01/2083	शुक्र	29/03/2091	सूर्य	17/08/2107	चंद्र	03/11/2122		00/00/0000
शुक्र	02/09/2084	सूर्य	03/08/2091	चंद्र	14/02/2109	मंगल	10/10/2123		00/00/0000
सूर्य	04/03/2085	चंद्र	03/03/2092	मंगल	05/03/2110	राहु	05/03/2126		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शनि 17 वर्ष 2 मा 23 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

ज्योतिषीय आकृति से यह स्पष्ट हो रहा है कि आपका जन्म पूर्वाभाद्र पद नक्षत्र के चतुर्थ चरण में धनु लग्न में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर धनु लग्न के साथ-साथ वृश्चिक राशि का नवमांश एवं सिंह राशीय द्रेष्काण भी उदित हुआ था। इसके प्रभाव से यह स्पष्ट सूचित हो रहा है कि आपका जीवन आरामदेह एवं प्रसन्नता प्रदायक होगा। प्रकृति ने आपको दृढ़ निश्चयी बना कर अपने जीवन हेतु प्रयत्नशील रहकर अपने स्वयं के लिए सहायक बनाया है।

धनु जन्म लग्न एवं सिंह द्रेष्काणा का प्रभाव विभिन्न प्रकार के विषयों से संबंधित अनेक प्रकार के कर्म चिंतन का सामंजस्य पूर्ण व्यवस्था निरूपित करता है। परंतु वृश्चिक नवमांश के प्रभावानुरूप आपको आक्रामक एवं असंगत प्राणी हो ऐसा प्रतीत होता है। आपका जीवन आरामदेह एवं प्रचूर धन संपत्ति से युक्त सृदृढ़-स्वस्थ्य जीवन का आनंद प्राप्ति का प्रतीक बताता है। परंतु वृश्चिक राशीय प्रभाव के अनुसार यह संभाव्य है कि आप गरीबी जीवन में भी आ सकते हैं। अर्थात् आपका जीवन अभावग्रस्त एवं रोगगस्त भी हो सकता है। अतः आपको अपने जीवन में उन्नति किस प्रकार करेंगे यह आपके कार्य एवं विचार शैली पर निर्भर करता है।

आप धन सम्पत्ति का उपार्जन कर निश्चित रूप से उसे सुरक्षित रखेंगे क्योंकि आप एक विशाल हृदय के प्राणी हैं। आप बहुत अधिक दान कर सकते हैं क्योंकि आप इस दान धर्म के लिए समर्थ प्राणी हैं। आपको इस प्रकार के कार्य के ऊपर नियंत्रण रखेंगे। तब यह संभाव्य है कि आप में शीघ्रतापूर्वक आनन्द लूटने की प्रलोभन में फंसकर उसका चिंतन करेंगे। आपको शान्तिपूर्वक अनर्थकारी कार्यक्रम के प्रति विपरीत आचरण करना चाहिए। आप को जूआ-सट्टा आदि गलत कार्यों का त्याग करना चाहिए।

आपके स्वास्थ्य के संबंध में विचारणीय यह है कि आप यात्रा अधिक करते हैं। इस कारणवश आपका स्वास्थ्य विकृत हो जाने की आशंका है क्योंकि आप असामयिक अधिक भोजन करते हैं। इसके अतिरिक्त अन्य कोई उपाय नहीं है कि आप स्वास्थ्य एवं प्रसन्न रह सकें। अन्यथा आप रोगादि की संभावना में पड़कर सर्दी, जुकाम, कफ, जुकाम, गठिया, वायु, रक्तचाप रोग से सामना कर सकते हैं।

आपको अपने परिवार का भली प्रकार भरण-पोषण करने के लिए आपमें यह योग्यता आवश्यक रूप से होना नितांत आवश्यक है कि आप किस प्रकार धन प्राप्त करके अपने परिवार का भरण-पोषण करेंगे। आप बहुत बड़े विश्वासी है तथा सदैव आप विश्वसनीयता पूर्वक सत्याचरण करते हैं। तथा यह भी मानते हैं कि सत्य ही सब कुछ है। यह सन्देह है कि इन बातों का आप ध्यान नहीं रखते है कि इसका कोई प्रभाव अन्यों पर पड़ता है या नहीं। आप सदैव ईश्वर के प्रति श्रद्धावान होकर धार्मिक भावनाओं से युक्त होकर अनेक तीर्थ स्थानों का भ्रमण करेंगे तथा परोपकार हेतु दान प्रदान करेंगे।

आपके लिए कतिपय अच्छे कार्य व्यवसाय के प्रति अपनी अभिलाषा के अनुसार अपनी बुद्धि को अनुकूल कर सकते हैं। इनमें पुस्तक प्रकाशन, सम्पादन कार्य, शैक्षणिक

संस्थान के संचालन का कार्य व्यवसायों का चयन कर सकते हैं।

आप निम्नांकित संभाव्य नियम के आधार पर अनुकूल कार्य शैली का सृजन कर सकते हैं।

आपके लिए अंकों में अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक अनुकूल हैं। इसके अतिरिक्त अंक 2, 7 एवं 9 अंक आपके लिए अनुपयुक्त हैं।

आपके लिए रंगों में अनुकूल रंग सफेद, क्रीम, सूआ पंखी, नीला, हरा और नारंगी रंग आपके लिए अच्छा है। परंतु इसके अतिरिक्त रंग लाल, काला एवं मोतिया रंग आपके लिए अव्यवहारणीय है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में गुरुवार, एवं रविवार का दिन अनुकूल एवं शुभ फलदायक हैं, परंतु शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके लिए प्रतिकूल एवं समस्यापूर्ण रहेगा।